चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 2.5.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 4

योजना • खेतों में ही गल जाएगी पराली, जलाने से होने वाले प्रदूषण से मिलेगी निजात

भारत-यूएसए पैदा करेंगे कम सिलिकॉन युक्त चावल, नहीं सूखेगा पशुओं का दूध

• एचएयू और यूएसए की यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स के वैज्ञानिक मिलकर कर रहे प्रोजेक्ट पर काम

वैभव शर्मा | हिसार

देश में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में चावल उत्पन्न होता है। इससे उत्पन्न पराली इन सभी राज्यों के किसानों और लोगों के लिए प्रदूषण का एक बड़ा कारण है।

इसके उपाय तो हैं मगर वह काफी महंगे हैं और किसानों तक पहुंच वाले नहीं हैं, ऐसे में वैज्ञानिकों ने विकल्प खोजने पर काम शुरू कर दिया है। आपको बता दें कि एचएयू के वैज्ञानिक यूएसए की यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसके माध्यम से वह ऐसी धान की प्रजाति डिवेलप करेंगे जिसमें सिलिकॉन की मात्रा कम हो। जिस कारण धान का अवशेष अपने आप ही खेतों में गल जाएगा या इसे पशुओं को भी खिला सकते हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए 96.80 लाख रुपये में दोनों विवि के वैज्ञानिक यूएसए और भारत के वातावरण को देखते हुए किस्में तैयार करेंगे।

यूएसए की यूनिवर्सिटी देगी जीन, एचएयू के पास है ट्रांसफर करने की तकनीक : यूएसए की यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स के पास कम सिलिकॉन धान के जीन हैं और एचएयू के पास जीन को ट्रांसफर करने की तकनीकी, ऐसे में दोनों विवि एक दूसरे के सहयोग के साथ तकनीकी को साझा करते हुए वैरायटी डिवेलप करेंगे। इसमें भारत के लिए अलग वैरायटी और यूएसए के लिए अलग वैरायटी डिवेलप की जाएगी। इस परियोजना में धान की पराली प्रबंधन के लिए कम सिलिकॉन युक्त चावल के विकास पर हकृवि से प्रो. पुष्पा खरब व डॉ. उपेन्द्र कुमार यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स से डॉ. ओम प्रकाश धनखड़ व वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के डॉ. कुलविंदर सिंह गिल के साथ मिलकर शोध कार्य करेंगे।

धान में सिलिकॉन की मात्रा अधिक होने से यह जल्दी नहीं गलती

एचएयू के वैज्ञानिक डॉ. उपेंद्र बाल्यान बताते हैं कि धान की पराली में सिलिकॉन की मात्रा अधिक होती है। इस कारण यह गलती नहीं है लिहाजा किसानों को इसे जलाना पड़ता है। मगर जलाने के बाद यह भूमि को भी नुकसान भी पहुंचाती है। यह भूमि में अच्छी कीटों को मार देती है। वहीं अगर किसान पराली को काट लें तो इतनी इंडस्ट्रीज नहीं है कि इनका प्रयोग किया जा सके। वहीं कई किसान राजस्थान में पराली बेच देते हैं ताकि पशु इन्हें खा लें। तो किसानों का कहना होता कि पराली खिलाने पर पशुओं का दूध सूख जाता है। ऐसे में पराली के त्वरित समाधान की आवश्यकता है। इस कारण एचएयू ने इस प्रोजेक्ट को महत्ता दी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 2.5.2019 पृष्ठ सं. ....6..... कॉलम ...1-5.....

श्रद्धांजलि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह को किया याद

'डॉ. रामधन सिंह की बदौलत भारत बासमती का बड़ा निर्यातक'

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की 128वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज मुख्य अतिथि थे।

डॉ. कंबोज ने राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की स्मृतियों को ताजा करते हुए एक पौध प्रजनन वैज्ञानिक के रूप में उनकी उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत जिस बासमती चावल का बड़ा निर्यातक है, उसका आधार डॉ. रामधन सिंह द्वारा तैयार की गई बासमती चावल की 370 किस्म है।

उन्होंने कहा डॉ. रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहूं, चावल, जौ तथा दलहनों की 25 उन्नत किस्मों को विकसित किया, जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उपलब्धियां प्राप्त की गई वह उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के कारण ही संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान वैज्ञानिकों को भुलाया नहीं जा सकता। कुलसचिव ने डॉ. रामधन सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा कहा कि वैज्ञानिकों तथा विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत व लगन के साथ कार्य करते हुए देश को खाद्यान्न तथा पोषण सुरक्षा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए।

डॉ. रामधन सिंह को श्रद्धांजलि देते विवि के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज व अन्य।

कृषि वैज्ञानिक राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की 128वीं जयंती मनाई

इससे पूर्व अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित जनों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि डॉ. रामधन सिंह कृषि अनुसंधान एवं विकास की कई समितियों के सदस्य रहे। इसके अलावा वह विश्वविद्यालय प्रबंधक बोर्ड के सदस्य भी रहे। उनकी याद को हमेशा बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय में रामधन सिंह फार्म की स्थापना भी की गई। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष व रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया जबकि मीनाक्षी व लीना ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, अधिकारी एवं छात्र उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 2.5.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 3-4

भारत में 370 चावल की किस्म तैयार करने वाले डॉ. रामधन से हों प्रेरित : डॉ. कंबोज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की 128वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर एचएयू के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि आज भारत जिस बासमती चावल का बड़ा निर्यातक है, उसका आधार डॉ. रामधन सिंह द्वारा तैयार की गई बासमती चावल की 370 किस्म है। उन्होंने कहा डॉ. रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहूं, चावल, जौ तथा दलहनों की 25 उन्नत किस्मों को विकसित किया, जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उन्होंने कहा हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उपलब्धियां प्राप्त की गईं, वह उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के करण ही संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान वैज्ञानिकों को भुलाया नहीं जा सकता। वैज्ञानिकों तथा विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत व लगन के साथ कार्य करते हुए देश को खाद्यान्न तथा पोषण सुरक्षा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए। इस दौरान एडीआर डॉ. नीरज कुमार, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष व रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार, मीनाक्षी व लीना आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नभ छोर......

दिनांक 1-5-2019 पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....6-8....

कृषि वैज्ञानिक डॉ. रामधन सिंह की जयंती मनाई

हिसार/01 मई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ. रामधन सिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज मुख्य अतिथि थे। डॉ. कंबोज ने डॉ. रामधन सिंह की स्मृतियों को ताजा करते हुए एक पौध प्रजनन वैज्ञानिक के रूप में उनकी उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत जिस बासमती चावल का बड़ा निर्यातक है उसका आधार डॉ. रामधन सिंह द्वारा तैयार की गई बासमती चावल की 370 किस्म है। उन्होंने कहा डॉ. रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहूं, चावल, जौ तथा दलहनों की 25 उन्नत किस्मों को विकसित किया जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उन्होंने कहा हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उपलब्धियां प्राप्त की गई वह उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के कारण ही संभव हो

सका है। उन्होंने कहा ऐसे महान वैज्ञानिकों को भुलाया नहीं जा सकता। कुलसचिव ने डॉ. रामधन सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा कहा कि वैज्ञानिकों तथा विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत व लगन के साथ कार्य करते हुए देश को खाद्यान्न तथा पोषण सुरक्षा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए। इससे पूर्व अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि डॉ. रामधन सिंह कृषि अनुसंधान एवं विकास की कई समितियों के सदस्य रहे। इसके अलावा वह विश्वविद्यालय प्रबंधक बोर्ड के सदस्य भी रहे। उनकी याद को हमेशा बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय में रामधन सिंह फार्म की स्थापना भी की गई। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष व रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया जबकि मीनाक्षी व लीना ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, अधिकारी एवं छात्र उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक हिसार..........

दिनांक 1-5-2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-4

हकृवि में सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह को किया याद

हिसार: 1 मई चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की 128वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज मुख्य अतिथि थे।

डॉ. कंबोज ने रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की स्मृतियों को ताजा करते हुए एक पौध प्रजनन वैज्ञानिक के रूप में उनकी उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत जिस बासमती चावल का बड़ा निर्यातक है उसका आधार डॉ. रामधन सिंह द्वारा तैयार की गई बासमती चावल की 370 किस्म है। उन्होंने कहा डॉ. रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहूं, चावल, जौ तथा दलहनों की 25 उन्नत किस्मों को विकसित किया जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उन्होंने कहा हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उपलब्धियां प्राप्त की गई वह उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के करण ही संभव हो सका है। उन्होंने कहा ऐसे महान वैज्ञानिकों को भुलाया नहीं जा सकता।

कुलसचिव ने डॉ. रामधन सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा कहा कि वैज्ञानिकों तथा विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत व लगन के साथ कार्य करते हुए देश को खाद्यान्न तथा पोषण सुरक्षा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए।

इससे पूर्व अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित जनों का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......सिटी पल्स......

दिनांक 1.5.2019 पृष्ठ सं. ......3...... कॉलम ......2-5......

हकृवि में कृषि वैज्ञानिक राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह को किया याद

कृषि महाविद्यालय में राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की 128वीं जयंती मनाई गई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की 128वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज मुख्य अतिथि थे।

डॉ. कंबोज ने राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की स्मृतियों को ताजा करते हुए एक पौध प्रजनन वैज्ञानिक के रूप में उनकी उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत जिस बासमती चावल का बड़ा निर्यातक है उसका आधार डॉ. रामधन सिंह द्वारा तैयार की गई बासमती चावल की 370 किस्म है। उन्होंने कहा डॉ. रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहूं, चावल, जौ तथा दलहनों की 25 उन्नत किस्मों को विकसित किया जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उन्होंने कहा हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उपलब्धियां प्राप्त की गई वह उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के कारण ही संभव हो सका है। उन्होंने कहा ऐसे महान वैज्ञानिकों को भुलाया नहीं जा सकता।

हिसार। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज पुष्प अर्पित कर डॉ. रामधन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए।

कुलसचिव ने डॉ. रामधन सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा कहा कि वैज्ञानिकों तथा विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत व लगन के साथ कार्य करते हुए देश को खाद्यान्न तथा पोषण सुरक्षा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए।

इससे पूर्व अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित जनों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि डॉ. रामधन सिंह कृषि अनुसंधान एवं विकास की कई समितियों के सदस्य रहे। इसके अलावा वह विश्वविद्यालय प्रबंधक बोर्ड के सदस्य भी रहे। उनकी याद को हमेशा बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय में रामधन सिंह फार्म की स्थापना भी की गई। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष व रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया जबकि मीनाक्षी व लीना ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, अधिकारी एवं छात्र उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक भास्कर......

दिनांक 2.5.2019... पृष्ठ सं. ...2...... कॉलम ...3......

भांगड़ा, कविता और फनी स्किट की प्रस्तुति रही खास

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विंध्याचल हॉस्टल में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हॉस्टल वार्डन द्वारा हॉस्टल रिपोर्ट की प्रस्तुति से हुई। इस अवसर पर छात्रों ने भांगड़ा, देशभक्ति गीत, कविता, मिमिकरी, फन्नी डांस, स्किट प्रस्तुत की। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे, वहीं डॉ. जीत राम शर्मा व डॉ. ओमेंद्र सांगवान विशिष्ट अतिथि रहे। डॉ. दहिया ने अपने संबोधन में छात्रों से समय का सदुपयोग करने और चहुंमुखी विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. दहिया ने छात्रावास में हुई वार्षिक खेलकूद एवं शैक्षणिक गतिविधियों में अव्वल रहे छात्रों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व हॉस्टल वार्डन डॉ. अनिल ढाका एवं अन्य हॉस्टल वार्डन डॉ. प्रताप सांगवान, डॉ. सुरेंदर यादव, डॉ. सुरेश आदि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुमित जांगड़ा, रजत पुनिया आदि छात्रों का विशेष योगदान रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 2.5.2019 पृष्ठ सं. ....6..... कॉलम ..1-2.....

विंध्याचल छात्रावास में हुआ वार्षिक समारोह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विंध्याचल छात्रावास में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि रहे जबकि अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक (छात्रावास) डॉ. जीतराम शर्मा व अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक (काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल) डॉ. ओमेंद्र सांगवान विशिष्ट अतिथि रहे। डॉ. दहिया ने छात्रों से समय का सदुपयोग करने और चहुमुखी विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों को स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयोगी क्रियाकलाप जैसे बाह्य क्रीड़ा को अपने जीवन में अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। डा. दहिया ने छात्रावास में हुई वार्षिक खेलकूद एवं शैक्षणिक गतिविधियों में अव्वल रहे छात्रों को सम्मानित भी किया। छात्रों ने भंगड़ा, देशभक्ति गीत, कविता, मिमिकरी, फन्नी डांस, स्किट आदि प्रस्तुत किए। इस मौके पर पूर्व हॉस्टल वार्डन डॉ. अनिल ढाका एवं अन्य हॉस्टल वार्डन डॉ. प्रताप सांगवान, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. सुरेश आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नभ छोर......

दिनांक ...1-5-2019... पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...1-3...

विंध्याचल छात्रावास में वार्षिक समारोह आयोजित

हिसार/01 मई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विंध्याचल छात्रावास में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे जबकि अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक (छात्रावास), डॉ. जीत राम शर्मा व अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक (कॉउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल) डॉ. ओमेंद्र सांगवान विशिष्ट अतिथि रहे। डॉ. दहिया ने छात्रों से समय का सदुपयोग करने और चहुंमुखी विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों को स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयोगी क्रियाकलाप जैसे बाह्य क्रीड़ा को अपने जीवन में अपनाने हेतु भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डॉ. दहिया ने छात्रावास में हुई वार्षिक खेलकूद एवं शैक्षणिक गतिविधियों में अव्वल रहे छात्रों को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त साफ सफाई को ध्यान में रखते हुए बेस्ट रूम अवार्ड के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत हॉस्टल वार्डन द्वारा हॉस्टल रिपोर्ट की प्रस्तुति से हुई। इस अवसर पर छात्रों ने भांगड़ा, देशभक्ति गीत, कविता, मिमिक्री, फन्नी डांस, स्किट इत्यादि प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम में पूर्व हॉस्टल वार्डन डॉ. अनिल ढाका एवं अन्य हॉस्टल वार्डन डॉ. प्रताप सांगवान, डॉ. सुरेन्द्र यादव, डॉ. सुरेश आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुमित जांगड़ा, रजत पुनिया आदि छात्रों का विशेष योगदान रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स

दिनांक 1.5.2017 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 5-8

कार्यक्रम | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विंध्याचल छात्रावास में वार्षिक समारोह आयोजित

चहुंमुखी विकास के लिए खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में विद्यार्थियों को लेना चाहिए भाग: डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विंध्याचल छात्रावास में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे जबकि अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक (छात्रावास), डॉ. जीत राम शर्मा व अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक (कॉउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सैल) डॉ. ओमेंद सांगवान विशिष्ट अतिथि रहे।

डॉ. दहिया ने अपने संबोधन में छात्रों से समय का सदुपयोग करने और चहुमुखी विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों को स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयोगी क्रियाकलाप जैसे वाह्य क्रीड़ा को अपने जीवन में अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डॉ. दहिया ने छात्रावास में हुई वार्षिक खेलकूद एवं शैक्षणिक गतिविधियों में अव्वल रहे छात्रों को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त साफ सफाई को ध्यान में रखते हुए बेस्ट रूम अवार्ड के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम की शुरुआत हॉस्टल वार्डन द्वारा हॉस्टल रिपोर्ट की प्रस्तुति से हुई। इस अवसर पर छात्रों ने भांगड़ा, देशभक्ति गीत, कविता, मिमिक्री, फन्नी डांस, स्कीट इत्यादि कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम में पूर्व हॉस्टल वार्डन डॉ. अनिल ढाका एवं अन्य हॉस्टल वार्डन डॉ. प्रताप सांगवान, डॉ. सुरेन्द्र यादव, डॉ. सुरेश आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुमित जांगड़ा, रजत पूनिया आदि छात्रों का विशेष योगदान रहा।

हिसार। छात्रावास के छात्र मुख्य अतिथि डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया के साथ।